प्रकाशनार्थ / प्रसारणार्थ

सत्ता के लिए चोर–चोर का शोर मचाना कांग्रेस की पुरानी आदत–सुशील मोदी

पटना 25.04.2019

राफेल सौदे में सुप्रीम कोर्ट, सीएजी और फ्रांस सरकार के क्लीन चिट के बावजूद नरेन्द्र मोदी को 'चौकीदार चोर है' कह कर गाली देने वाली कांग्रेस ने 1999 के कारगिल युद्ध के बाद भी बेदाग छवि वाले ईमानदार राजनेता तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस को 'कफन चोर, गद्दी छोड़' का नारा लगा कर अपमानित किया, संसद की कार्यवाही बाधित किया और 2004 के चुनाव में इसे मुद्दा बनाया। हालांकि अपने 10 साल के शासनकाल में ताबूत घोटाले को वह साबित नहीं कर पाई। अन्ततः 13 अक्तूबर, 2015 को सुप्रीम कोर्ट ने जॉर्ज को क्लीन चिट देते हुए कहा कि 'ताबूत खरीद में कोई घोटाला हुआ ही नहीं।'

10 वर्षों तक दलाली की मोटी रकम के लिए राफेल सौदे को लटका कर रखने वाली कांग्रेस की कोशिश फ्रांस के साथ हुए इस सौदे को रद्द कराने की रही है ताकि दूसरे आर्म्स डीलरों से वह कमीशन खा सके। अब तक प्रत्येक रक्षा सौदे में दलाली खाने वाली कांग्रेस को भरोसा ही नहीं हो रहा है कि बिना दलाली के राफेल का सौदा कैसे हो गया?प्रधानमंत्री को 'चोर' कह कर सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगने वाले राहुल गांधी सजा देने का जनता मन बना चुकी है।

कांग्रेस को बताना चाहिए कि आखिर उसने सेना को आधुनिक हथियार, तोप, गोले, बुलेट प्रुफ जैकेट जैसी जरूरी सैन्य साजोसामान भी क्यों नहीं उपलब्ध कराया? सेना को कमजोर बना कर रखना, उसके शौर्य का अपमान करना, दुश्मनों के बीच भारत की छवि खराब करना, सैन्य कार्रवाई की सबूत मांगना, गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री को गाली देना कांग्रेस की फितरत है।